



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 2016/आश्विन 5, 1938

No. 311]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2016/ASVINA 5, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2016

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य और वियतनाम के मूल की अथवा वहां से निर्यातित “एए ड्राई सैल बैटरियों” के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच।

संख्या 14/31/2014-डीजीएडी।—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) को अधिनियम और नियमावली के अनुसार भारत में “एए ड्राई सैल बैटरियों” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु अथवा विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के विनिर्माता घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन आफ ड्राई सैल मैन्युफैक्चरर्स (जिन्हें आगे याचिकादाता अथवा आवेदक भी कहा गया है) से एक आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और वियतनाम से संबद्ध वस्तुओं के पाटन होने और उससे उनको क्षति होने का आरोप लगाया गया है।

3. यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र में प्रस्तुत पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दिनांक 20 अक्टूबर, 2015 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जो कि भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुई थी, जिसके द्वारा नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंधित आयातों की पाटन-रोधी जांच की शुरूआत की गई थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई ‘क्षति’ को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

ख. क्रिया-विधि

4. प्राधिकारी द्वारा इस जांच में निम्नोक्त वर्णित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-

- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की शुरूआत करने की कार्रवाई करने से पहले पाटन-रोधी आवेदन पत्र की प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को सूचित किया था।
- (2) प्राधिकारी ने दिनांक 20 अक्टूबर, 2015 की जांच शुरूआत करने संबंधी अधिसूचना की प्रति, उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भेजी थी।
- (3) निर्यातकों को प्रेषित किए गए पत्र और प्रश्नावलियां संबद्ध देशों के दूतावासों को ज्ञात निर्यातकों/आयातकों की सूची सहित इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे संबद्ध देशों से निर्यातकों/आयातकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत कर दें।
- (4) नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार आवेदक की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र के अगोपनीय वृतांत की प्रति, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों को उपलब्ध कराई गई थी।
- (5) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति, संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को अग्रेषित की थी:-

चाईना बैटरी इंडस्ट्री एसोसिएशन
ज्ञोग जिन (निंगबो) बैटरी कंपनी लिमिटेड
शंघाई वाईट एलीफेंट स्वान बैटरी कंपनी लिमिटेड
क्सियामेन-3 सर्किल्स बैटरी कंपनी लिमिटेड
ज्ञेजियांग योंगगावो बैटरी कंपनी लिमिटेड
ज्ञेजियांग मुस्टांग बैटरी कंपनी लिमिटेड
ज्ञांगज्ञाऊ डेली-मैक्स बैटरी कंपनी लिमिटेड
लिनायल हुआटाई बैटरी कंपनी लिमिटेड
निंगबो ओएसलईएल बैटरी कंपनी लिमिटेड
जियाकिंग हेंगवेई बैटरी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
गुआंगज्ञाऊ टाईगर हैड बैटरी गुप कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
गुआंगक्सी बुद्धाऊ क्सिनहुआ बैटरी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
युनान बैटरी फैक्टरी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
गुआंगडोंग ज़ेंगलोंग स्टॉक कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
गुआंगज्ञाऊ ईस्टपॉवर बैटरी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
किंसिलिडा बैटरी इंडस्ट्री (डेकिंग) कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
गुआंगज्ञाऊ टियान्क्यूई इंटरप्राईज कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
केमिलियोन बैटरी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
चोंगकिंग बैटरी जनरल फैक्टरी, चीन जनवादी गणराज्य
जियांगमैन सांकी बैटरी इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
डोंगगुआन हाई-वॉट बैटरी कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
ड्राई सैल एंड स्टोरेज बैटरी कंपनी, वियतनाम

- (6) संबद्ध जांच शुरू करने के प्रत्युत्तर में संबद्ध देशों से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं दिया है और निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- (7) चीन जनवादी गणराज्य में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में चीन के दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) की प्रश्नावलियां भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थीं कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को संबद्ध सूचना प्रस्तुत कर दें। जबकि जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ विधिवत् समायोजन करने के बाद भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य पर विचार किया गया था, प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से ज्ञात

उत्पादकों/निर्यातकों को सूचित किया था कि उनका यथा संशोधित पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव है। इसलिए चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों/उत्पादकों से अनुरोध किया गया था कि वे उल्लिखित अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या चीन जनवादी गणराज्य में सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का निरूपण किया जा सकता है। तथापि, चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने चीन जनवादी गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण का खंडन करने के प्रत्युत्तर में एमईटी प्रश्नावली को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(8) भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:-

मार्डन इलेक्ट्रोनिक, मुंबई
सुपर रेडियो एंड इलेक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन, मुंबई
एस. सी. ट्रोनिक्स, दिल्ली
ओम टेक इंटरप्राईजिस, दिल्ली
जय इम्पेक्स, मुंबई
पाटिल साउंड कंपनी, मुंबई
सुपर इलेक्ट्रो सेल्स, मुंबई
स्टार कार्पोरेशन, मुंबई
सुपर इनर्जी इंडस्ट्रीज, भिवाडी
शंभू एसोसिएट्स, दिल्ली
साई सेल्स रीगल आर्केड सीएचएस लिमिटेड, थाणे
एस. के. एसोसिएट्स, दिल्ली

(9) उपरोक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में किसी भी आयातक ने आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(10) जांच की कार्रवाई के दौरान किसी भी निर्यातिक अथवा आयातक अथवा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है। केवल गोदरेज एंड व्यास मैन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने कुछ निवेदन किए हैं जिनकी इस अंतिम जांच परिणाम में जांच की गई है और उनका निदान किया गया है।

(11) संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना निम्नोक्त एसोसिएशनों को भेजी गई थी:-

कंजूमर इलेक्ट्रोनिक्स एंड एपलार्डसिज मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन, दिल्ली
एलसीना इलेक्ट्रोनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन आफ इंडिया, दिल्ली
एसोसिएशन आफ इंडियन ड्राई सेल मैन्युफेक्चरर्स

(12) संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना निम्नोक्त घरेलू उत्पादकों को भेजी गई थी:-

एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, कोलकाता
इंडो नेशनल लिमिटेड, चेन्नई
पेनासोनिक एनर्जी इंडिया कंपनी लिमिटेड, वडोडरा

(13) जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही इस जांच से संबंधी कोई सूचना प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हित-बद्ध पक्षकार माना गया है।

(14) जांच शुरू करने के चरण में घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस आंकड़ों (द्वितीयक स्रोत) के आधार पर आयातों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी द्वारा जांच शुरू करने के बाद जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरे, वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से भी प्राप्त किए गए थे। तथापि, चूंकि आईबीआईएस के आंकड़ों में आयातों की अधिक मात्रा सूचित की गई है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम में आयातों की मात्रा और मूल्य का परिकलन करने तथा क्षति का विशेषण करने के लिए उक्त आंकड़ों पर विश्वास किया है।

(15) भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की अनुकूलतम लागत और उन्हें निर्मित करने और बेचने की लागत का आकलन, सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएपी) के आधार पर किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन-रोधी शुल्क, पाटन मार्जिन से कम लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी द्वारा पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है।

(16) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि, अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक है। तथापि, क्षति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ अप्रैल, 2011-मार्च, 2012 अप्रैल, 2012-मार्च, 2013, अप्रैल, 2013-मार्च, 2014 और जांच की अवधि (पीओआई) शामिल है।

(17) प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के प्रावधान के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को अपने मौखिक विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए 19 फरवरी, 2016 को एक सार्वजनिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई के दौरान जिन पक्षकारों ने अपने मौखिक विचार व्यक्त किए थे, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करे और साथ ही निवेदनों के प्रत्युत्तर भी दें।

(18) इस जांच की कार्रवाई के दौरान इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का निदान, प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, इस अंतिम जांच परिणाम में कर दिया गया है।

(19) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों के संबंध में जितना आवश्यक समझा गया है, उनकी जांच की गई है।

(20) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय वृतान्त भी प्रस्तुत करें।

(21) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा दिनांक 18 अगस्त, 2016 को जारी किए गए प्रकटन विवरण में इस जांच के अत्यावश्यक तथ्यों को प्रकट कर दिया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों की प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, उतनी जांच की गई है तथा उनका निदान इस अंतिम जांच परिणाम में कर दिया गया है।

(22) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान आवश्यक सूचना देने से मना कर दिया है अथवा ऐसी सूचना अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच में अत्यधिक अडब्बन डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा “उपलब्ध तथ्यों” के आधार पर उसे जांच परिणाम में रिकार्ड किया है।

(23) इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा *** सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर उसी प्रकार से विचार किया गया है।

(24) इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान प्रचलित अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 61.69 रूपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और “समान वस्तु”

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई निवेदन नहीं किया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

6. घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(1) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद “एए ड्राई सैल बैटरियां” हैं। एए ड्राई सैल बैटरियां मूल रूप से जिंक कार्बन पैसिल बैटरियां होती हैं। यह बैटरियां विभिन्न किस्मों में उपलब्ध हैं। जिंक कार्बन पैसिल बैटरियों को ‘आर6’, ‘एए’ और ‘यूएम3’ बैटरियों के रूप में भी जाना जाता है, पेपर और धातु, हैवी ड्यूटी और सुपर हैवी ड्यूटी बैटरियों, जैकेट रूप में जांच के दायरे के भीतर आती हैं। अन्य किस्मों की बैटरियां जैसे कि अल्केलाइन बैटरियां, रिचार्जेबल बैटरियां आदि वर्तमान जांच के

कार्य-क्षेत्र से बाहर हैं। इसके अतिरिक्त वर्तमान जांच केवल एएए बैटरियों के बारे में है। 'एएए' बैटरियां, डी साईज और सी साईज बैटरियां भी वर्तमान याचिका क विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर हैं।

- (2) घरेलू उद्योग द्वारा दो ग्रेडों की "एए" बैटरियां विनिर्मित की जाती हैं और वे प्रीमियम और इकोनोमी श्रेणी की होती हैं, जो कि अपने कार्य-निष्पादन की दृष्टि से भिन्न होती है। प्रीमियम श्रेणी की बैटरियों में अत्यधिक शुद्धता युक्त केबोड मिश्रण की सामग्री प्रयुक्त होती है और उसकी गुणवत्ता होती है।
- (3) घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित ड्राई सेल बैटरियों और संबद्ध देशों से निर्यातित ड्राई सेल बैटरियों में कोई अंतर व्याप्त नहीं है और दोनों ही समान वस्तुएं हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद "एए ड्राई सेल बैटरियां" हैं। एए ड्राई सेल बैटरियां मूल रूप से जिंक कार्बन पैसिल बैटरियां होती हैं। यह बैटरियां विभिन्न किस्मों में उपलब्ध हैं। जिंक कार्बन पैसिल बैटरियों को 'आर6', 'एए' और 'यूएम3' बैटरियों के रूप में भी जाना जाता है, पेपर और धातु, हैवी ड्यूटी और सुपर हैवी ड्यूटी बैटरियों, जैकेटन रूप में जांच के दायरे के भीतर आती हैं। जैसा कि आवेदक ने बताया है, अन्य किस्मों की बैटरियां जैसे कि रिचार्जेबल बैटरियां, अल्केलाइन बैटरियां, एएए बैटरियां, डी साईज और सी साईज बैटरियां वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर हैं। एए ड्राई सेल बैटरियों का उपयोग मुख्यतया फ्लेशलाईटों, ट्रांजिस्टरों, खिलौनों, दीवार और मेज की घडियों, टेप रिकार्डरों, वाकमैन, सीडी प्लेयरों, केमरों, अन्य इलेक्ट्रोनिक उपस्करों, डाक और तार, रक्षा और पुलिस द्वारा अपनी वायरलैस प्रणालियों तथा रेलवे द्वारा सिग्नलिंग के लिए किया जाता है। एए ड्राई बैटरियों को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमा-शुल्क उप-शीर्ष 8506 10 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण सांकेतिक है और यह किसी भी तरीके से उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

8. समान वस्तु के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में उल्लिखित व्यवस्था निम्नानुसार है:-
"समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिषेत हैं जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान हैं अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं हैं परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

9. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह विनिश्चित किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

10. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और उसके आधार के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई निवेदन नहीं किया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

11. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और उसके आधार के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन जनवादी गणराज्य और वियतनाम से ड्राई बैटरियों के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की वर्तमान याचिका, विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों, जिनमें एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, पेनासोनिक एनर्जी इंडिया कंपनी लिमिटेड और इंडो नेशनल लिमिटेड शामिल हैं, की ओर से एसोसिएशन आफ ड्राई सेल मैन्युफेक्चरर्स द्वारा प्रस्तुत की गई है।
- (2) भारत में संगठित क्षेत्र में ड्राई सेल बैटरियों के तीन उत्पादक हैं। असंगठित क्षेत्र में उत्पादकों का संयुक्त उत्पादन, संगठित क्षेत्र में उत्पादन का 5% भाग बनता है।
- (3) जांच अवधि के दौरान किसी भी याचिकादाता कंपनी द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त कोई भी याचिकादाता कंपनी संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा निर्यातिक से संबंधित नहीं है।

(4) याचिकादाता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का प्रमुख भाग बनता है और आवेदन पत्र का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित समान उत्पाद के कुल उत्पादन को 50 प्रतिशत से अधिक भाग बनता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

12. पाटन रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“(ख) घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पारित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।“

13. संगठित क्षेत्र में सभी घरेलू उत्पादकों, घरेलू उत्पादकों, जिनमें एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, पेनासोनिक एनर्जी इंडिया कंपनी लिमिटेड और इंडो नेशनल लिमिटेड शामिल हैं, की ओर से एसोसिएशन आफ ड्राई सैल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। एसोसिएशन के दावे के अनुसार असंगठित क्षेत्र में भी अनेक उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार असंगठित क्षेत्र में इन उत्पादकों का उत्पादन, संगठित क्षेत्र में उत्पादन का 5% भाग बनता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि असंगठित क्षेत्र में किसी भी उत्पादक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान किसी भी याचिकादाता कंपनी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया है और न ही कोई याचिकादाता कंपनी, संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित है।

14. संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादन के व्यौरे निम्नानुसार हैं:-

विवरण	यूओएम	2011 - 12	2012 - 13	2013 - 14	जांच अवधि
याचिकादाताओं का उत्पादन	'000 अदद	1,812,289	1,870,943	1,892,327	1,849,807
अन्य उत्पादकों का उत्पादन	'000 अदद	90,614	93,547	94,616	92,490
कुल भारतीय उत्पादन	'000 अदद	1,902,903	1,964,490	1,986,943	1,942,298
याचिकादाताओं का अंशदान	%	95.24	95.24	95.24	95.24
अन्य उत्पादकों का अंशदान	%	4.76	4.76	4.76	4.76

15. उपरोक्त स्थिति, नियमों और रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह मानना है कि एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, पेनासोनिक एनर्जी इंडिया कंपनी लिमिटेड और निष्पो बैटरीज कंपनी लिमिटेड, जिसका प्रतिनिधित्व एसोसिएशन आफ ड्राई सैल मैन्युफैक्चरर्स ने किया है, नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग बनती है।

ड. विविध निवेदन

गोदरेज एवं ब्वायस मैनुफैक्चरिंग कंपनी लि0 द्वारा किया गया निवेदन

16. गोदरेज एवं ब्वायस मैनुफैक्चरिंग कंपनी लि0 द्वारा द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(1) याचिकादाता एक उत्पादक-संघ बना रहे हैं और वे उचित व्यापार की रोकथाम करने के लिए अल्प तंत्रीय बाजार सृजित कर रहे हैं।

(2) यदि वियतनाम पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाते हैं, तो वियतनाम के साथ मुक्त व्यापार करार निरर्थक हो जाएगा।

(3) संबद्ध वस्तुओं के आयात नगण्य बने हुए हैं और वे याचिकादाताओं के लिए कोई खतरा उत्पन्न नहीं करते हैं। बिक्री कारोबार में वृद्धि, लाभप्रदता में वृद्धि और स्टॉक बाजार की कीमतों से यह प्रमाणित होता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों का याचिकादाताओं पर कम प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(4) विचाराधीन उत्पाद से संबंधित विगत जांच में हितवद्ध पक्षकारों से उत्तर नहीं प्राप्त होने के कारण प्राधिकारी ने पाटन-रोधी शुल्क लगाए थे।

(5) वर्तमान जांच की जांच अवधि के दौरान न तो कोई अत्यधिक पाटन हुआ है और न ही याचिकादाताओं को कोई झटि हुई है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

17. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) गोदरेज एंड व्यास मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड को इस कारण से एक हितबद्ध पक्षकार नहीं माना जा सकता है कि कंपनी ने सहयोग नहीं दिया है और उसने आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- (2) यह आरोप निराधार है कि घरेलू उद्योग एक उत्पादक-संघ बना रहा है और वह अल्प तंत्रीय बाजार का सृजन करने को प्रोत्साहन दे रहा है।
- (3) मई, 2013 में शुल्कों को पहले समाप्त कर दिए जाने के बाद संबद्ध देशों से विशेषकर चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। मूल वर्ष की तुलना में अकेले चीन से आयातों में दस गुना वृद्धि हुई है।
- (4) ऐसे दावे से कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित विगत जांच में हितबद्ध पक्षकारों से उत्तर नहीं प्राप्त होने के कारण प्राधिकारी ने पाटन-रोधी शुल्क लगाए थे, कानूनी आवश्यकताओं को समझने की कमी का पता चलता है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों मात्र पर ही पाटन-रोधी जांच आधारित नहीं होती है।
- (5) एफटीए के अंतर्गत दी गई रिआयतों का यह अभिप्राय नहीं है कि पाटन जैसी अनुचित व्यापारिक पद्धतियों में लिप्त रहने के लिए उनका दुरुपयोग नहीं किया जाए। जब विद्यमान एफटीए के कारण प्रयुक्त की जा रही पाटन पद्धतियों द्वारा देश का घरेलू उद्योग अनुचित रूप से क्षति ग्रस्त हो रहा हो, तो राष्ट्रों को पाटन-रोधी उपाय लागू करने के लिए रोका नहीं जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

18. विभिन्न मुद्दों के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

- (1) इस निवेदन के बारे में कि याचिकाकर्ता उचित व्यापार को रोकने के लिए कॉर्टल बना रहा है तथा एक अल्प तंत्रीय बाजार का सृजन कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी जांच करने का उद्देश्य कथित पाटन के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के बारे में जांच करना है और न कि ऐसी बाजार पद्धतियों अथवा कार्टलाइजेशन की जांच करना है।
- (2) इस तर्क के संबंध में कि यदि वियतनाम पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाते हैं, तो वियतनाम के साथ मुक्त व्यापार करार (एफटीए) निरर्थक हो जाएगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मुक्त व्यापार करारों के अंतर्गत दी गई रिआयतें, पाटन करने का लाईसेंस प्रदान नहीं करती हैं।
- (3) इस तर्क के संबंध में कि पूर्व में पाटनरोधी शुल्क लगाए गए थे क्योंकि हितबद्ध पक्षकारों से उत्तर नहीं प्राप्त नहीं हुआ था, प्राधिकारी का यह मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों मात्र पर ही पाटन-रोधी जांच आधारित नहीं होती है। प्राधिकारी, घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों और आयात आंकड़ों की जांच करते हैं तथा उसके बाद यह निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

च. बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

19. इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

20. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन जनवादी गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- (2) चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि संबद्ध सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में भारत और विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा चीन जनवादी गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा किसी विशिष्ट निर्यातक द्वारा ऐसी पूर्व धारणा का खंडन किए जाने के अध्यधीन चीन जनवादी गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

22. पाटन-रोधी नियमावली के पैरा-8, के अनुबंध-क के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातिक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातिकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया जा सके कि क्या :-

- (1) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, विक्रियां और निवेश के बारे में चीन जनवादी गणराज्य में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (2) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;
- (3) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (4) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है।

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए जांच शुरूआत करने संबंधी सूचना के परिणाम स्वरूप चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातिक ने कोई सहयोग नहीं दिया है और निर्यातिक की प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही किसी ने प्राधिकारी की इस पूर्वधारणा का कोई खंडन किया है। इसलिए प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे की कार्रवाई करते हैं।

चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

24. पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है :-

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तवित रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

25. इस पर विचार करते हुए कि चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातिक/उत्पादक ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और आगे यह नोट करते हुए कि चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपर्युक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के बारे में कोई सूचना/आंकड़े रिकार्ड में उपलब्ध नहीं हैं, प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परन्तु के अनुसार “उचित आधार” पर किया है। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद का कार्य-गत सामान्य मूल्य का निर्धारण, विधिवत् समायोजन करके उत्पादन की संरचित लागत के आधार पर किया गया है।

26. प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य की संरचना निम्नलिखित आधार पर की है:-

- (क) मुख्य इनपुट की कीमत पर विचार प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया गया है। अन्य इनपुट की कीमत भारतीय बाजार में प्रचलित कीमत के आधार पर की गई है क्योंकि कोई अंतर्राष्ट्रीय कीमत उपलब्ध नहीं थी।
- (ख) घरेलू उद्योग की सूचना/आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए रिकार्ड पर उपलब्ध उत्तम सूचना/आंकड़ों के आधार पर उत्पादन के प्रति यूनिट पर कच्चे माल की खपत और परिवर्तन लागत पर विचार किया गया है।
- (ग) घरेलू उद्योग की सूचना/आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए रिकार्ड पर उपलब्ध उत्तम सूचना/आंकड़ों के आधार पर विक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत पर विचार किया गया है।
- (घ) 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है।

27. चीन जनवादी गणराज्य के लिए इस प्रकार से निर्धारित संरचित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

28. धारा 9 क (1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातिक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातिक देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

29. यह नोट किया जाता है कि वियतनाम में किसी भी निर्यातिक ने प्राधिकारी को प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं करके उन्हें कोई सहयोग नहीं दिया है। इस प्रकार वियतनाम में किसी भी निर्यातिक से कोई उत्तर नहीं प्राप्त होने के कारण, प्राधिकारी ने वियतनाम में सभी उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए सामान्य मूल्य की संरचना उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार की है, जिसके लिए कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, उत्तम खपत मानक और उचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखा गया है। इस प्रकार से निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

निर्यात कीमत

चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

30. चूंकि चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी निर्यातिक ने इस जांच में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। विधिवत् समायोजन करने के बाद इस प्रकार से निर्धारित निवल निर्यात कीमत का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

वियतनाम के लिए निर्यात कीमत

31. चूंकि चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी निर्यातिक ने इस जांच में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। विधिवत् समायोजन करने के बाद इस प्रकार से निर्धारित निवल निर्यात कीमत का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन

32. ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	चीन जनवादी गणराज्य	वियतनाम
संरचित सामान्य मूल्य	अमरीकी डालर/000'अदद	***	***
निवल निर्यात कीमत	अमरीकी डालर/000'अदद	***	***
पाटन मार्जिन	अमरीकी डालर/000'अदद	***	***
पाटन मार्जिन % में	%	***	***
पाटन मार्जिन % में	% सीमा	310-320	35-45

छ. क्षति का निर्धारण तथा क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच करने की कार्यप्रणाली

गोदरेज एवं ब्वायस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी द्वारा किया गया निवेदन

33. गोदरेज एवं ब्वायस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी द्वारा किया गया निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) संबद्ध वस्तुओं के आयात नगण्य बने हुए हैं और वे याचिकादाताओं को किसी भी प्रकार का कोई खतरा उत्पन्न नहीं करते हैं। विक्री कारोबार में वृद्धि, लाभप्रदता में वृद्धि और स्टॉक बाजार की कीमतों से यह प्रमाणित होता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों का याचिकादाताओं पर कम प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (2) वर्तमान जांच की जांच अवधि के दौरान न तो कोई अत्यधिक पाठन हुआ है और न ही याचिकादाताओं को कोई क्षति हुई है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

34. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाठित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2013-14 तक आयात बहुत कम थे, लेकिन मई, 2013 में पाठन-रोधी शुल्कों को समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप जांच अवधि के दौरान आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (2) संबद्ध देश का बाजार का हिस्सा कुल मिला कर उसी स्तर पर बना हुआ है जो कि मूल जांच की अवधि के दौरान विद्यमान था। बाजार में आयात ऐसे स्तरों पर प्रवेश कर रहे हैं, जो कि लागत वसूल करने के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं। आयातों में वृद्धि होने के फलस्वरूप विक्रियों, उत्पादन और बाजार का हिस्सा प्रत्यक्षतः घट गया है तथा उनसे और अधिक आर्थिक क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।
- (3) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पादों के आयातों में वृद्धि होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आ गई है।
- (4) समस्त क्षति अवधि के दौरान कीमत में अत्यधिक कटौती होने की स्थिति बनी रही है।
- (5) आयातों की पहुंच कीमत, समस्त क्षति अवधि के दौरान विक्रियों की लागत के स्तर से अत्यधिक नीचे है।
- (6) क्षमता उपयोग, उत्पादन, विक्रियों, माल सूचियों और बाजार के हिस्से रूप में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है।
- (7) संबद्ध देशों में खुले रूप से निपटाए जा सकने वाली पर्याप्त क्षमताएं उपलब्ध हैं, विशेषकर चीन प्रमुख खतरा बना हुआ है।
- (8) घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन उत्पाद की अत्यधिक माल-सूचियां पड़ी हुई हैं।
- (9) किसी विशिष्ट कंपनी की स्टॉक कीमतें किसी विशिष्ट उत्पाद से संबंधित नहीं हैं। यह कंपनी के समग्र कार्य-निष्पादन पर आधारित होती हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

35. प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति का विश्लेषण वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों का निराकरण करता है।

36. अनुबंध-II के साथ पठित पाठनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाठित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

37. भारत में घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल विक्री वसूल, पाठन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर विचार किया गया है।

संचयी निर्धारण

38. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध - 2 के पैरा (3) में यह प्रावधान है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटन-रोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- (1) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- (2) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में पाटित आयात एक साथ प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण करने के मुद्दे की जांच उपरोक्त प्राचलों के संबंध में की गई है और यह पाया गया है कि:-

- (1) प्रत्येक संबद्ध देश से विशिष्ट उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- (2) प्रत्येक संबद्ध देश से विशिष्ट उत्पादों के पाटन की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- (3) संबद्ध देशों से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती कर रहे हैं।

40. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्द्ध होने की परिस्थितियों के आलोक में घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उपयुक्त है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटन का मार्जिन और आयातों की मात्रा उपरोक्त निर्धारित सीमाओं से बहुत अधिक है।

41. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, और (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

42. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध- 2 के पैरा (4) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, माल-सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

43. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (4) के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवेश वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर विचार किया है।

44. क्षति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और उनके कीमत संबंधी प्रभाव तथा उनकी कीमतों और लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच की है, ताकि क्षति के विद्यमान होने तथा पाटन और क्षति, यदि कोई है, के बीच कारणात्मक संबंध होने की जांच की जा सके। पाटित आयातों की मात्रा और उनके कीमत प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

मात्रा के प्रभाव**मांग का निर्धारण**

45. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयातों की मात्रा और आयातों के मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त किए गए आईबीआईएस के कारोबार-वार आयात आंकड़ों पर विचार किया है। इस जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू विक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों को योगफल के रूप में भारत में उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार से निर्धारित की गई मांग को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
भारत में मांग					
घरेलू उद्योग की विक्रियाँ	'000 अदद	18,68,479	18,51,740	18,60,491	18,07,904
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	100	97
अन्य भारतीय उत्पादकों की विक्रियाँ		90,614	93,547	94,616	92,490
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	104	102
कुल घरेलू विक्रियाँ	'000 अदद	19,59,093	19,45,287	19,55,107	19,00,394
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	100	97
आयात - संबद्ध देश	'000 अदद	25,632	42,922	47,555	2,77,826
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	167	186	1,084
आयात - अन्य देश	'000 अदद	94,315	33,342	10,930	843
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	35	12	1
कुल मांग	'000 अदद	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	97	105
मांग में बाजार का हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	89.87	91.60	92.40	82.97
अन्य भारतीय उत्पादक	%	4.36	4.63	4.70	4.24
समग्र भारतीय उत्पादक	%	94.23	96.23	97.10	87.21
संबद्ध देश	%	1.23	2.12	2.36	12.75
अन्य देश	%	4.54	1.65	0.54	0.04

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। जबकि, घरेलू उद्योग का जांच की अवधि सहित पूरी क्षति अवधि में बाजार में बहुत बड़ा हिस्सा है, संबद्ध देशों सहित शेष आपूर्तिकर्ता बाजार में न्यूनतम योगदान करते हैं। उपर्युक्त आंकड़ों से एकमात्र चिंता यह सामने आती है कि आधार वर्ष में 1.23 से जांच की अवधि में 12.87 तक संबद्ध देशों तक संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष के दौरान 89.87 से कम होकर जांच की अवधि के दौरान 82.97 प्रतिशत हो गई है। परंतु इस प्रवृत्ति को जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता तथा उनके वास्तविक उत्पादन के संदर्भ में विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है। इस जांच परिणाम के संगत पैरा में दी गई सूचना के अनुसार, घरेलू उद्योग ने पूरी क्षति अवधि के दौरान अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। इसने आधार वर्ष में 2150400 हजार नग की अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि कर जांच की अवधि में 2418440 हजार नग कर दिया है। लेकिन, घरेलू बाजार में इसकी क्षमता से अधिक मांग होने के बावजूद, इसने न तो मांग के अनुरूप अपने उत्पादन में वृद्धि की है और न ही अपने उत्पादन के अनुरूप घरेलू बाजार में अपनी विक्री में वृद्धि की है। यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से अवतरित कीमत की तुलना में बेहतर कीमत प्राप्त होने के बावजूद घरेलू बाजार में अपने वस्तुओं की विक्री करने का इच्छुक नहीं है। अथवा यह घरेलू उद्योग द्वारा व्यापक रूप से फैले विपणन नेटवर्क की कमी के कारण हो सकता है।

विवरण	यू.ओ.एम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
स्थापित क्षमता	'000 अदद	21,50,400	23,09,400	24,18,400	24,18,400
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	112
उत्पादन	'000 अदद	18,12,289	18,70,943	18,92,327	18,49,807
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	104	102
क्षमता उपयोग	%	84.28%	81.01%	78.25%	76.49%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	93	91
घरेलू विक्रियां	'000 अदद	17,89,225	17,78,384	18,27,803	17,82,890
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	102	100
मांग	'000 अदद	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	97	105

आयात की मात्रा और बाजार का हिस्सा

46. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के प्रसंग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के उप-पैरा (2) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के प्रसंग में अत्यधिक वृद्धि हुई है।"

47. कारोबार-वार आयात आंकड़ों पर विचार करते हुए अक्षति अवधि के दौरान आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:-

विवरण	यू.ओ.एम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
आयात की मात्रा					
चीन	'000 अदद	20,132	35,918	41,643	194,407
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	178	207	966
वियतनाम	'000 अदद	5,500	7,004	5,913	83,420
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	108	1,517
संबद्ध देश	'000 अदद	25,632	42,922	47,555	277,826
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	167	186	1,084
अन्य देश	'000 अदद	94,315	33,342	10,930	843
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	35	12	1
कुल आयात	'000 अदद	119,947	76,263	58,486	278,670
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	49	232
बाजार का हिस्सा					
चीन	%	16.78	47.10	71.20	69.76
वियतनाम	%	4.59	9.18	10.11	29.93
संबद्ध देश	%	21.37	56.28	81.31	99.70
अन्य देश	%	78.63	43.72	18.69	0.30
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

48. उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पूर्व में पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने के फलस्वरूप संबद्ध देशों से विशेष रूप से चीन जनवादी गणराज्य से आयात में वृद्धि हुई होगी।

उत्पादन और खपत की तुलना में आयातों का हिस्सा

49. इसके अतिरिक्त जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है, जांच अवधि में भारत में उत्पादन और खपत के प्रसंग में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

बाजार का हिस्सा	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
मांग के प्रसंग में संबद्ध देश से आयात	%	1.23	2.12	2.36	12.75
भारतीय उत्पादन के प्रसंग में संबद्ध देश से आयात	%	1.35	2.18	2.39	14.30

क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और विक्रियों की मात्रा

50. जैसा कि नीचे तालिका से नोट किया जाता है, मांग में वृद्धि के अनुरूप वर्ष 2012-13 और 2013-14 की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में विस्तार हुआ है। परंतु जांच की अवधि के दौरान दौरान घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के बावजूद अपनी और अधिक क्षमता बढ़ा नहीं पाया। वर्ष 2013-14 तक घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है लेकिन जांच अवधि में उसमें गिरावट आई है, जबकि उस अवधि के दौरान मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग द्वारा अवतरित कीमत की तुलना में बेहतर कीमत प्राप्त होने के बावजूद यह स्थिति है।

विवरण	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
स्थापित क्षमता	'000 नग	21,50,400	23,09,400	24,18,400	24,18,400
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	112
उत्पादन	'000 नग	18,12,289	18,70,943	18,92,327	18,49,807
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	104	102
क्षमता उपयोग	%	84.28%	81.01%	78.25%	76.49%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	93	91
घरेलू विक्रियां	'000 नग	17,89,225	17,78,384	18,27,803	17,82,890
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	102	100
मांग	'000 नग	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	97	105

कीमत प्रभाव

पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और उनके घरेलू उद्योग पर प्रभाव

51. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर विक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत, निबल विक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति-रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना, संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की तुलना, पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू विक्री कीमत के बीच की गई है। घरेलू उद्योग की निबल विक्री वसूली का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा करों, छूटों, डिस्कांउटों और कमीशन पर किए गए व्यय का समायोजन किया गया है। क्षति का निर्धारण करने के लिए कम कीमत पर विक्री होना, एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इस प्रकार प्राधिकारी ने क्षति-रहित कीमत का आकलन किया है और उसकी तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की है, ताकि कम कीमत पर विक्री होने की सीमा का पता लगाया जा सके। घरेलू उद्योग के लिए क्षति-रहित कीमत का मूल्यांकन, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार किया गया है। इसकी स्थिति निम्नानुसार है:-

कीमत में कटौती

52. क्षति अवधि के दौरान पहुंच मूल्य की तुलना, संबद्ध वस्तुओं के भारत में घरेलू बिक्री कीमत के साथ करके कीमत में कटौती होने का निर्धारण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
चीन जनवादी गणराज्य					
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए/000 अदद	2,689	3,012	1,115	1,007
निबल बिक्री वसूल	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	% सीमा	10-20	5-10	210-220	310-320
वियतनाम					
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए/000 अदद	2,305	2,396	2,770	2,739
निबल बिक्री वसूल	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	% सीमा	30-40	30-40	20-30	50-60
समग्र संबद्ध देश					
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए/000 अदद	2,606	2,912	1,321	1,527
निबल बिक्री वसूल	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	% सीमा	10-20	20-30	160-170	170-180

53. उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत (मूल सीमा शुल्क को शामिल करने के बाद), घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम रही है, जिसके फलस्वरूप कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है। यह इस कारण हो सकता है कि संबद्ध देशों से विशेष रूप से चीन से अधिकांश आयात निम्न मूल्य के उत्पाद हैं।

कम कीमत पर बिक्री

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री होना, एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इस प्रकार प्राधिकारी ने क्षति-रहित कीमत का आकलन किया है और उसकी तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की है, ताकि कम कीमत पर बिक्री होने की सीमा का पता लगाया जा सके। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए क्षति-रहित कीमत का मूल्यांकन, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार किया गया है। कम कीमत पर बिक्री होने का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों के पहुंच मूल्य की तुलना, जांच अवधि के दौरान निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति-रहित कीमत के साथ की गई है।

विवरण	यूनिट	चीन जनवादी गणराज्य	वियतनाम
आयातों की पहुंच कीमत	अमरीकी डालर /000' अदद	***	***
क्षति रहित कीमत	अमरीकी डालर /000' अदद	***	***
कम कीमत पर बिक्री	अमरीकी डालर /000' अदद	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% सीमा	235-245	20-30

55. यह नोट किया जाता है कि चीन जनवादी गणराज्य से पाटिं आयातों की कम कीमत पर विक्री के संबंध में प्रभाव बहुत अधिक है। यह पुनः इस तथ्य के कारण हो सकता है कि संबद्ध देशों विशेष रूप से चीन से अधिकांश आयात निम्न मूल्य के उत्पाद के हुए हैं।

कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

56. घरेलू कीमतों पर पाटिं आयातों के कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की विक्री कीमत की प्रवृत्ति की तुलना उत्पादन की लागत के साथ की गई है। प्राधिकारी द्वारा किया गया कीमत ह्रास और न्यूनीकरण विश्लेषण निम्नानुसार है:-

विवरण	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए/000 अदद	2,606	2,912	1,321	1,527
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	51	59
उत्पादन की लागत	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	106	116
विक्री कीमत	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	114	134

57. उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि सहित पूरी क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की विक्री कीमत और उत्पादन की लागत दोनों में ही वृद्धि हुई है। इस प्रकार कीमत ह्रास अथवा कीमत न्यूनीकरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

लाभ/हानि, नकदी प्रवाह, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ

58. क्षति अवधि के दौरान लाभ, नियोजित निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग बहुत अधिक लाभ अर्जित करने की स्थिति में है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच अवधि
विक्रियों की लागत	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	106	116
विक्री कीमत	रुपए/000 अदद	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	114	134
लाभ/हानि	रुपए/000 अदद	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(100)	135	458
लाभ/हानि	लाख रुपए	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(99)	138	456
पीवीआईटी	लाख रुपए	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(81)	319	899
नकदी लाभ	लाख रुपए	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(87)	960	2,269
निवेश पर प्रतिलाभ	%	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(84)	329	824

रोजगार, वेतन और उत्पादकता

59. नीचे दी गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान रोजगार और उत्पादकता की स्थिति में गिरावट आने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है, जबकि वेतन में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
प्रति व्यक्ति उत्पादकता	000 अदद/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	98	97
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	98	92
वेतन	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	80	94

माल-सूचियां

60. नीचे दी गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की औसत माल-सूची के स्तरों में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
अथरेष	'000 अदद	***	***	***	***
अंतरेष	'000 अदद	***	***	***	***
औसत	'000 अदद	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	108	139

पाटन की मात्रा

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से केवल अधिक ही नहीं बल्कि यह बहुत पर्याप्त भी है।

संवृद्धि

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन और विक्रियों के संबंध में नकारात्मक संवृद्धि दर्शाई है। हालांकि लाभ ने पर्याप्त सुधार दर्शाया है।

संवृद्धि	यूओएम	2011- 12	2012- 13	2013-14	जांच अवधि
उत्पादन	%	-	3.24	1.14	-2.25
घरेलू विक्रियां	%	-	-0.61	2.78	-2.46
विक्री कीमत	%	-	3.43	9.85	18.29
विक्रियों की लागत	%	-	3.32	2.53	9.62
लाभ/हानि	%	-	0.09	235.29	238.54

निधियां जुटाने की क्षमता

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के बहु-उत्पाद उद्योग द्वारा संघटित होने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि निधियां जुटाने की उनकी क्षमता प्रभावित नहीं हुई है।

क्षति पर निष्कर्ष

64. हितवद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए निवेदनों तथा इस परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों तथा पाटन और परिणामी क्षति की स्थिति के उपरोक्त विश्लेषण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि-

- (1) चीन जनवादी गणराज्य और वियतनाम से संबद्ध उत्पाद का पाटन हुआ है।
- (2) पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों ही सकारात्मक कटौती के साथ सकारात्मक हैं।
- (3) पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग द्वारा पर्याप्त रूप से अधिक आर ओ सी ई की स्थिति से बहुत अधिक लाभ अर्जित किया गया है।
- (4) घरेलू उद्योग की निवल विक्री प्राप्ति अवतरित कीमत से अधिक है तथा घरेलू उद्योग के क्षतिरहित कीमत से भी अधिक है। अतः घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी कोई प्रभाव नहीं है।

(5) यद्यपि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु बहुत अधिक मात्रा में भारतीय बाजार में आई है, फिर भी घरेलू उद्योग की विक्री में सीमान्त रूप से गिरावट आयी है और ऐसा नहीं लगता है कि उनसे कीमत के मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग पर कोई क्षतिकारक प्रभाव पड़ा है क्योंकि उनकी निवल विक्री प्राप्ति अवतरित कीमत से बहुत अधिक है और लाभ की स्थिति भी प्रभावशाली है।

(6) इस कारण से चीन जनवादी गणराज्य और वियतनाम से पाटित आयातों को यह नहीं नहीं माना जा सकता है कि उनसे घरेलू उद्योगों को बहुत अधिक क्षति हुई है। चूंकि घरेलू उद्योग अवतरित कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर विक्री करने में सक्षम है और फिर भी बहुत अधिक लाभ अर्जित करते हैं, आयातों की बहुत अधिक मात्रा से घरेलू उद्योग को अधिक हानि नहीं हो सकती है।

(7) अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वस्तुगत कोई क्षति नहीं हुई थी।

ज. आर्थिक क्षति का खतरा

65. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या आयातों से घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति होने का खतरा हो रहा है। आर्थिक क्षति के खतरे के बारे में नियमावली में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

"(7) आर्थिक क्षति होने के खतरे का निर्धारण, तथ्यों के आधार पर होगा और न कि आरोप, निराधार कल्पना अथवा अप्रत्यक्ष संभाव्यता पर। ऐसी परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण ऐसी स्थिति को जो सन्निकट है और उत्पन्न हो जाएगी, स्पष्ट रूप से पहले देख लिया जाना चाहिए जिसमें पाटन के कारण क्षति होगी। आर्थिक क्षति के खतरे के विद्यमान होने का निर्धारण करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों पर विचार करना होगा, जैसे कि -

(क) भारत में पाटित आयातों में अत्यधिक दर से वृद्धि होना जिससे ऐसा पता चले कि पर्याप्त रूप से आयातों के बढ़ने की संभावना है;

(ख) किसी भी प्रकार के अतिरिक्त नियतियों को खपाने के लिए अन्य नियति बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए नियर्तक के पास सुकृत रूप से उपयोग्य पर्याप्त क्षमता होना अथवा उसकी सन्निकटता, नियर्तक की क्षमता में पर्याप्त वृद्धि करना जिससे ऐसा पता चले कि भारतीय बाजारों को पाटित आयातों के अत्यधिक बढ़ने की संभावना है;

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनसे घरेलू उद्योग पर अत्यधिक कीमत हास और न्यूनीकरण का प्रभाव पड़ेगा और जिनसे और आयातों की मांग में वृद्धि होने की सभावना है, और

(घ) वस्तु की माल-सूचियों की जांच की जा रही है।

66. प्राधिकारी ने निम्नलिखित आधार पर आर्थिक क्षति के खतरे की जांच की है:-

(क) आयातों में अत्यधिक वृद्धि

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों में क्षति अवधि के पूर्व के वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच अवधि
आयातों की मात्रा					
चीन	'000 अदद	20,132	35,918	41,643	194,407
वियतनाम	'000 अदद	5,500	7,004	5,913	83,420
समग्र संबद्ध देश	'000 अदद	25,632	42,922	47,555	277,826
अन्य देश	'000 अदद	94,315	33,342	10,930	843
कुल आयात	'000 अदद	119,947	76,263	58,486	278,670

(ख) संबद्ध देश में अतिरेक उत्पादन क्षमता

68. 20 मई, 2013 को जारी किए गए निर्णयिक समीक्षा जांच परिणाम में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी द्वारा उसके पैरा 66 में लिया गया निर्णय निम्नानुसार है:-

"66. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में यह दावा किया है कि चीन में उत्पादकों के पास घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग तुलना में अत्यधिक बेशी क्षमताएं विद्यमान हैं। घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि चीन में ड्राइ सेल बैटरियों के 100 से भी अधिक उत्पादक हैं। तथापि, नीचे दी गई तालिका में संबद्ध वस्तुओं के ऐसे 20 प्रमुख उत्पादकों का उल्लेख है जिनके आंकड़े उपलब्ध हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार उत्पादन का लगभग 47.12%, एए बैटरियों (संबद्ध वस्तुओं) के उत्पादन के अंशदान का परिचायक है। इसके आधार पर नीचे तालिका में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन, खपत और निर्यात के ब्यौरे दर्शाएं गए हैं:-

क्रमांक	विवरण	2009	2010
1.	संस्थापित क्षमता - मिलियन अदद में	18,090	18,090
2.	संबद्ध वस्तुओं की मात्रा (कुल क्षमता में एए का अंशदान 47.12% है) मिलियन अदद में	8,524	8,524
3.	चीन में उत्पादन - मिलियन अदद में	5,527	6,435
4.	वैश्विक निर्यात - मिलियन अदद में	2,545	2,846
5.	चीन में खपत - मिलियन अदद में (5 - 4)	2,982	3,589
6.	अनप्रयुक्त क्षमता - मिलियन अदद में (2 - 3)	2,997	2,089
7.	% के रूप में बेशी उत्पादन	54%	32%
8.	% के रूप में घरेलू मांग	101%	58%
9.	% के रूप में वैश्विक निर्यात	118%	73%
10.	मुक्त रूप से उपभोज्य उत्पादन क्षमता (अनप्रयुक्त क्षमता + वर्तमान निर्यात) मिलियन अदद में	8,072	9,281
11.	भारतीय मांग (वार्षिकीकृत जांच अवधि) मिलियन अदद में	1,793	1,793
12.	भारतीय मांग के % के रूप में मुक्त रूप से उपभोज्य उत्पादन क्षमता	450%	518%

67. यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सत्यापन योग्य प्रमाण के साथ घरेलू उद्योग के इस निवेदन का कोई खंडन नहीं किया है कि संबद्ध देश से उत्पादकों के पास बहुताधिक अतिरेक बेशी क्षमताएं उपलब्ध हैं।

68. प्राधिकारी का यह मानना है कि संबद्ध देशों में उत्पादकों ने अपनी घरेलू मांग से बहुताधिक क्षमताएं निर्मित की हुई हैं और ऐसी क्षमताएं निर्यात बाजारों को ध्यान में रख कर भी सृजित की गई हैं।

69. पूर्व जांच परिणाम के उपरोक्त प्रेक्षणों से यह प्रमाणित होता है कि चीन के पास भारत की तुलना में संबद्ध वस्तुओं के लिए काफी बड़ा विनिर्माण आधार विद्यमान है और उसने अत्यधिक उत्पादन और निर्यात योग्य बेशी क्षमता सृजित की है, जिससे वह समग्र भारतीय बाजार को हाथियाने में सक्षम है। हालांकि घरेलू उद्योग द्वारा क्षति की अवधि तथा वर्तमान जांच की अवधि से संबंधित कोई पुष्ट सूचना प्रदान नहीं की गई थी।

(ग) भारतीय बाजार का कीमत आकर्षण

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इस कारण से भारतीय कीमत की व्याख्या संबद्ध देशों द्वारा निर्यात के लिए आकर्षक के रूप में नहीं किया जा सकता है।

(घ) संबद्ध देश में उत्पादकों और निर्यातकों का निर्यातोन्मुखीकरण

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन की अर्थव्यवस्था उसके निर्यातोन्मुखीकरण के लिए सर्वविदित है। भारत में मांग और विगत वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयात की प्रवृत्तियों पर विचार करने के बाद, निर्यात में और तेजी आने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

(ङ) घरेलू उद्योग की माल सूचियों में वृद्धि हुई है

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर में जांचकी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। यह स्थिति आयातों तथा बढ़ती हुई मांग की तुलना में अधिक कीमत प्राप्त करने के बावजूद है। शायद घरेलू उद्योग को ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक पहुंच बनाने के लिए अपनी बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने तथा उसे मजबूत बनाने पर और अधिक ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

वस्तुगत क्षति की चेतावनी के बारे में निष्कर्ष

73. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग यह सुनिश्चित करने में पर्याप्त प्रमाण देने में असमर्थ हुआ है कि बढ़े हुए आयातों का उन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

निष्कर्ष

74. अतः प्राधिकारी के निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) यद्यपि जांच की अवधि दौरान, आयातों की बहुत अधिक मात्रा भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर हुई है तथा कीमत में कमी हुई है, फिर भी उनसे घरेलू उद्योग प्रभावित नहीं हुआ है क्योंकि यह एक अलग बाजार क्षेत्र को सेवा देते हैं।
- (2) घरेलू उद्योग द्वारा पाटन के बावजूद बहुत अधिक लाभ अर्जित किया गया है।
- (3) बहुत अधिक आर ओ सी ई स्थिति का लाभ घरेलू उद्योग द्वारा उठाया जा रहा है।
- (4) घरेलू उद्योग की निवल विक्री प्राप्ति उनकी क्षतिरहित कीमत और अवतरित कीमत दोनों से अधिक है।
- (5) उत्पादन, विक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है लेकिन घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है।

ज. क्षति मार्जिन की मात्रा

क्षति मार्जिन

75. जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं की क्षति-रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। इस प्रकार से निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार हैः-

विवरण	यूनिट	चीन जनवादी गणराज्य	वियतनाम
आयातों की पहुंच कीमत	अमरीकी डालर/000 अदद	16.32	44.39
क्षति रहित कीमत	अमरीकी डालर/000 अदद	***	***
क्षति मार्जिन	अमरीकी डालर/000 अदद	***	***
क्षति मार्जिन	%	***	***
क्षति मार्जिन	% सीमा	235-245	20-30

ट. प्रकटन के बाद की टिप्पणियां

76. प्रकटन के बाद किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने कोई अनुरोध/टिप्पणी नहीं की है।
77. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन के बाद निम्नलिखित टिप्पणियां/अनुरोध किए गए हैं :-

 1. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत (एनआईपी) काफी कम है और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए अपर्याप्त है।
 2. एनआईपी निर्धारित करते समय प्राधिकारी को वास्तविक कच्ची सामग्री और सुविधाओं की खपत पर विचार करना चाहिए
 3. एनआईपी निर्धारित करने के लिए वास्तविक उत्पादन की उपेक्षा करना और किसी अन्य उत्पादन आधार को अपनाना अनुचित है।
 4. घरेलू उद्योग विभिन्न कीमत रेंजों में विभिन्न प्रकार के उत्पादों का प्रस्ताव कर रहा है। इसी प्रकार चीन की बैटरियां भी विभिन्न कीमत रेंजों में बाजार में बेची जा रही हैं। अतः घरेलू उद्योग की कीमतें चीन की बैटरियों की खुदरा कीमतों के साथ काफी तुलनीय हैं।
 5. व्यापारी चीन की पाटित बैटरियों के होने वाले पूरे लाभ को ले रहे हैं और उपभोक्ताओं को घरेलू उद्योग के समान कीमत पर हुई बैटरियां प्राप्त हुई हैं।
 6. याचिकाकर्ता वर्तमान मामले में शुल्कों के बैंचमार्क की सिफारिश करने का अनुरोध प्राधिकारी से करते हैं क्योंकि इस उत्पाद पर पहले बैंचमार्क रूप में शुल्क लागू था। इसके अलावा, यद्यपि, आयातों की सूचना काफी अधिक कीमतों पर दी गई है तथापि, उत्पादन लागत में कोई खास अंतर नहीं है। अतः बैंचमार्क रूप में शुल्क लगाना उचित होगा।

7. शुल्क को अमरीकी डॉलर के रूप में लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

78. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) काफी कम और घरेलू उद्योग से संरक्षण के लिए अपर्याप्त है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित पद्धति और प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया गया है।

सिफारिशें

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटन-रोधी नियमावली में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की वर्तमान जांच शुरू करने और उसका संचालन करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग को निम्नलिखित तथ्यों को देखते हुए पाटित आयातों से पर्याप्त नुकसान नहीं हुआ है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की उनकी क्षतिरहित कीमत तथा पहुंच कीमत की तुलना में भी बहुत अधिक विक्री कीमत प्राप्त हुई है और उसे बहुत अधिक लाभ हुआ है। उपर्युक्त निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की आवश्यकता नहीं है।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th September, 2016

Final Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of 'AA Dry Cell Batteries', originating in or exported from China PR and Vietnam.

No.14/31/2014-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

- Whereas, in accordance with the Act and the Rules, the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), received an application from the Association of Indian Dry Cell Manufacturers (hereinafter also referred to as the petitioner or applicant) on behalf of the domestic industry manufacturing "AA Dry Cell Batteries" (hereinafter also referred to as the subject goods or the product under consideration (PUC)) in India, alleging dumping of the subject goods from People's Republic of China and Vietnam (hereinafter also referred to as the subject countries) and injury.
- Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 20th October, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and injury and to consider recommendation of the anti-dumping measures, which, if levied, would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.

B. PROCEDURE

- The procedure described below has been followed with regard to the present investigation:

- The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.

- ii. The Authority sent copy of the initiation notification dated 20th October, 2015 to the embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, as per available information. The known interested parties were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit.
- iii. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassies of the subject countries along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from the subject countries to respond within the prescribed time.
- iv. Copy of the non-confidential version of the application filed on behalf of the applicant was made available to the known exporters and the embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
- v. The Authority forwarded a copy of the initiation notification to the following known producers/exporters in the subject countries:

China Battery Industry Association
ZhogYin (NingBo) Battery Co., Ltd
Shanghai White Elephant Swan Battery Co., Ltd
Xiamen 3-Circles Battery Co., Ltd
Zhejiang Yonggao Battery Co., Ltd
Zhejiang Mustang Battery Co., Ltd
Changzhou Daily-max Battery Co., Ltd
Linyi Huatai Battery Co., Ltd,
Ningbo OSEL Battery Co., Ltd
Jiaxing Hengwei Battery Co., Ltd, China PR
Guangzhou Tiger Head Battery Group Co., Ltd., China PR
Guangxi Wuzhou Xinhua Battery Co., Ltd, China PR
Yunan Battery Factory Ltd, China PR
Guangdong Zhenglong Stock Co., Ltd, China PR
Guangzhou Eastpower Battery Co., Ltd, China PR
Xinlida Battery Industry (Deqing) Co., Ltd, China PR
Guangzhou TianQiu Enterprise Co., Ltd, China PR
Camelion Battery Co., Ltd, China PR
Chongqing Battery General Factory, China PR
Jiangmen Sanqi Battery Industry Co., Ltd, China PR
Dongguan Hi-watt Battery Co., Ltd, China PR
Dry Cell&Storage Battery Co, Vietnam

- vi. In response to the initiation of the subject investigation, none of the exporters/producers from the subject countries have cooperated and filed exporter's questionnaire response.
- vii. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit. While for the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed the known producers/exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of Para 7 and Para 8 of Annexure I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were, therefore, requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to the cooperative exporters/producers in China PR. However, none of the producers/exporters from China PR have filed MET questionnaire response rebutting the non-market economy treatment meted out to China PR.

- viii. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India:

Modern Electronics, Mumbai
Super Radio& Electronics Corp, Mumbai
S.C Tronics, Delhi
Om Tech Enterprises, Delhi
Jai Impex, Mumbai
Patil Sound Company, Mumbai
Super Electro Sales, Mumbai

Star Corporation, Mumbai
Super Energy Industries, Bhiwadi
Shambu Associates, Delhi
Sai Sales Regal Archade Chs Ltd., Thane
S. K Associates, Delhi

- ix. In response to the above notification, none of the importers have filed the importer's questionnaire response.
- x. None of the exporters or importers or any other interested party have made any submission during the course of the investigation. Only Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd have made a few submissions, which have been examined and addressed in this final finding.
- xi. Initiation notification was sent to the following associations eliciting relevant information:

Consumer Electronics and Appliances Manufacturers Association, Delhi
ELCINA Electronic Industries Association of India, Delhi
Association of Indian Dry Cell Manufacturers

- xii. Initiation notification was sent to the following domestic producers eliciting relevant information:

Eveready Industries India Ltd, Kolkata
Indo National Ltd, Chennai
Panasonic energy India Co Ltd, Vododara

- xiii. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- xiv. At the initiation stage, the domestic industry provided information with regard to imports based on IBIS data (secondary source). Post initiation, details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation were obtained by the Authority from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) as well. However, since the IBIS data has been found to have reported higher volume of imports, the Authority has relied upon the said data for computation of the volume & value of imports and injury analysis in the present findings.
- xv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules.
- xvi. The period of investigation for the purpose of the present review is April 2014 to March 2015. However, the injury analysis has been done for the period April 2011-March 2012, April 2012-March 2013, April 2013-March 2014 and the period of investigation.
- xvii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 19th February, 2016. The parties who presented their views in oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xviii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this final finding.
- xix. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry.
- xx. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

- xxi. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts of the investigation were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 18th August, 2016 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined and addressed in this finding.
- xxii. Wherever an interested party has refused access to, or otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xxiii. *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiv. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 61.69 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this final finding.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. None of the interested parties have made submission with regard to the product under consideration.

Submissions made by Domestic Industry

6. The domestic industry has made the following submissions with regard to the product under consideration:
 - i. The product under consideration for the present investigation is dry batteries which are available in various sizes. Zinc Carbon pencil batteries known as "R6", "AA", "UM3" batteries, both in paper and metal, heavy duty and super heavy duty batteries, jacketed form are within the scope of investigation. Other types of batteries such as, alkaline batteries, rechargeable batteries etc are beyond the scope of the present investigation. Further, the present investigation is only in respect of AA batteries. AAA batteries, D size, C size batteries are also beyond the scope of the product under consideration of the present petition.
 - ii. There are two grades of AA batteries manufactured by the domestic industry and they are Premium and Economy which differ in their performance. In case of Premium range of battery, the performance is designed with much higher purity of material of cathode mix used in it and its quality.
 - iii. There is no difference in Dry Cell Batteries produced by the domestic industry and Dry Cell Batteries exported from subject countries and both are like articles.

Examination by the Authority

7. The product under consideration for the purpose of present investigation is 'AA Dry Cell Batteries'. AA Dry Cell Batteries are basically zinc carbon pencil batteries. The batteries are available in various types. Zinc Carbon pencil batteries also known as "R6", "AA", "UM3" batteries, both in paper and metal, heavy duty and super heavy duty batteries, jacketed form are within the scope of investigation. As stated by the applicant, rechargeable batteries, alkaline batteries, AAA batteries, D size and C size batteries are beyond the scope of the present investigation. AA Dry Cell Batteries is primarily used for flashlights, transistors, toys, wall and table clocks, tape recorders, walkman, CD players, cameras, other electronic equipment, post & telegraph, defense and police for their wireless systems and railways for signaling. AA Dry Cell Batteries are classified under custom sub-heading 8506 10 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The customs classification is indicative only and in no way it is binding upon the product scope.

8. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

9. After considering the information on record, the Authority has determined that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods and are like articles. The consumers are using the two interchangeably.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

10. None of the interested parties have made any submission with regard to the scope and standing of the domestic industry.

Submissions made by the Domestic Industry

11. The domestic industry has made following submissions with regard to scope and standing of domestic industry:

- i. The present petition for imposition of anti-dumping duty on imports of dry batteries from China PR and Vietnam has been filed by Association of Indian Dry Cell Manufacturers on behalf of domestic producers of the product under consideration, which comprises, Eveready Industries India Ltd., Panasonic Energy India Co. Ltd., and Indo National Ltd.
- ii. There are three producers of Dry Cell Batteries in India in the organized sector. Combined production of the producers in unorganized sector is estimated in the region of 5% of the production in the organized sector.
- iii. None of the petitioner companies have imported the subject goods from subject countries during the period of investigation. Also, none of the petitioner companies are related to importer or exporter of the product under consideration from subject countries.
- iv. Production of the petitioner companies constitute a major proportion in Indian production and the domestic producers expressly supporting the application account for significantly more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry

Examination by the Authority

12. Rule 2(b) defines domestic industry as under:-

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

13. The application was filed by Association of Indian Dry Cell Manufacturers on behalf of all the domestic producers in the organized sector of the product under consideration, which comprises, Eveready Industries India Ltd., Panasonic Energy India Co. Ltd., and Indo National Ltd. As per the claims of the Association a number of producers in the unorganized sector also produce the subject goods. The production of these produces in unorganized sector has been estimated by the domestic industry in the region of 5% of the production in the organized sector. The Authority notes that none of the producers in the unorganized sector have responded to the Authority. It is also noted that none of the petitioner companies have imported the subject goods from subject countries during the period of investigation nor are the petitioner companies related to importer or exporter of the product under consideration from subject countries.

14. The details of domestic production of subject goods are as follows:

Particular	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Petitioners Production	'000 Pcs	1,812,289	1,870,943	1,892,327	1,849,807
Other Producers Production	'000 Pcs	90,614	93,547	94,616	92,490
Total Indian Production	'000 Pcs	1,902,903	1,964,490	1,986,943	1,942,298
Share of Petitioners	%	95.24	95.24	95.24	95.24
Share of Other Producers	%	4.76	4.76	4.76	4.76

15. In view of the above position and having regard to the Rules and information on record, the Authority holds that Eveready Industries India Ltd., Panasonic Energy India Co. Ltd., and Nippo Batteries Company Ltd, represented by the Association of Indian Dry Cell Manufacturers, constitute domestic industry for the purpose of the present investigation within the meaning of the Rules.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd

16. The following submissions have been made by Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd:

- i. Petitioners are forming cartel and creating oligopolistic market to prevent fair trade.

- ii. Free Trade Agreements with Vietnam will become meaningless if the anti dumping duties are imposed on Vietnam.
- iii. Imports of subject goods have remained insignificant and do not pose any threat to the petitioners. Increase in sales turnover; increase in profitability and stock market prices make it evident that imports of subject goods from the subject countries have little adverse impact on the petitioners.
- iv. In the previous investigation concerning the product under consideration, due to lack of response from the interested parties, the Authority imposed anti dumping duty.
- v. In the POI of the present investigation, neither there is significant dumping nor any injury to the petitioners.

Submissions by Domestic Industry

17. Following submissions have been made by the domestic industry in this regard:

- i. Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd. cannot be entertained as an interested party for the reason that the company has not cooperated and filed importer's questionnaire response.
- ii. The allegation that domestic industry is forming cartel and encouraging creation of oligopolistic market is baseless.
- iii. Imports of subject goods from the subject countries, especially from China, have increased significantly after the cessation of the earlier duties in May, 2013. The imports from China alone have increased by 10 times as compared to the base year.
- iv. The claim that since there was no response from the interested parties the Authority imposed anti dumping duty shows the lack of appreciation of the legal requirements. Anti dumping investigation is not based merely on the claims by the domestic industry.
- v. Concessions given under the FTAs are not to be misused to indulge in unfair trade practices like dumping. The nations are not barred from imposing measures of antidumping when the domestic industry of that country is unfairly getting injured by the dumping practices being practiced on account of existing FTAs.

Examination by the Authority

18. Submissions made by the interested parties with regard to the various issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. As regards the submission that petitioners are forming cartel and creating oligopolistic market to prevent fair trade, the Authority notes that the objective of anti-dumping investigations is to enquire into alleged dumping causing injury to the domestic industry and not to investigate into cartelization or such market trends.
- ii. With regard to the argument that Free Trade Agreements with Vietnam will become meaningless if the anti dumping duties are imposed on Vietnam, the Authority notes that concessions given under the Free Trade Agreements do not provide license to dump.
- iii. As regards the argument that anti dumping duties were imposed previously as there were no response from the interested parties, the Authority holds that Anti dumping investigation is not based merely on the claims by the domestic industry. The Authority examines the data provided by the domestic industry, the import data and thereafter comes to the conclusion whether imports are causing injury to the domestic industry.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

19. None of the interested parties have made any submission in this regard.

Submissions made by the domestic industry

20. The submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows:

- i. China should be treated as non-market economy country and normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 Annexure-I to the Rules.
- ii. Normal value for China PR cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available.

Examination by the Authority

21. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.

22. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- i. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- iv. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

23. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; none of the Chinese producers/exporters have cooperated and filed exporter's questionnaire response and the market economy questionnaire response and did not rebut the non-market economy presumption of the Authority. Therefore, the Authority proceeds in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules for determination of normal value for China PR.

Determination of Normal Value for China PR

24. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments"

25. Considering that there has been no response from any exporter/producer of the subject goods from China PR and further noting that information/data regarding appropriate market economy third country for determination of normal value in China PR is not available on record; the Authority has determined normal value in China PR on 'reasonable basis', in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted.

26. The Authority has constructed Normal value for the Chinese producers on the following basis –

- a. Price of major input has been considered on the basis of prevailing international price. The price of other inputs has been based on the prices prevailing in the Indian market as no international prices were available.
- b. Consumption of raw materials per unit of production and the conversion costs have been considered on the basis of best information/data available on record, considering information/data of the domestic industry.
- c. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of best information/data available on record, considering information/data of the domestic industry.

d. Profit has been added @ 5%

27. The constructed normal value so determined for China PR is mentioned in the dumping margin table.

Determination of Normal Value for Vietnam

28. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:

- (i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under subsection (6), or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

29. It is noted that none of the exporters in Vietnam has cooperated with the Authority with questionnaire response. Thus, in the absence of any response from the exporters from Vietnam, the Authority has constructed the normal value for all producers/exporters in Vietnam in accordance with Rule 6(8) supra i.e by taking into account international raw material price, best consumption norm and reasonable profit margin. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export Price

Export price for China PR

30. Since none of the exporters from China PR has responded in the present investigation, the Authority has determined the net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The net export price, so determined, after making due adjustments, is mentioned in the dumping margin table.

Export price for Vietnam.

31. Since none of the exporters from Vietnam has responded in the present investigation, the Authority has determined the net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The net export price, so determined, after making due adjustments, is mentioned in the dumping margin table.

DUMPING MARGIN

32. Considering the normal values and export prices as determined above, the Authority determined the dumping margins as follows:

Particulars	Unit	China PR	Vietnam
Constructed Normal Value	US\$/000'Pcs	***	***
Net Export Price	US\$/000'Pcs	***	***
Dumping Margin	US\$/000'Pcs	***	***
Dumping Margin in %	%	***	***
Dumping Margin in %	% Range	310-320	35-45

G. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd

33. The following submissions have been made by Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd:

- i. Imports of subject goods have remained insignificant and do not pose any threat to the petitioners. Increase in sales turnover; increase in profitability and stock market prices make it evident that imports of subject goods from the subject countries have little adverse impact on the petitioners.
- ii. In the POI of the present investigation, neither there is significant dumping nor any injury to the petitioners.

Submissions made by the domestic industry

34. Following are the submissions made by the domestic industry in this regard:

- i. Dumped imports of the product under consideration from the subject countries have increased significantly over the injury period and period of investigation. Imports were low until 2013-14, however with the cessation of anti-dumping duty in May 2013; the imports have increased significantly in the period of investigation.
- ii. The market share of the subject country has more or less reached at the same level as that prevailing at the time of original investigations. The imports are entering into the market at levels which is not even sufficient to recover the costs. The increase in imports has directly resulted into loss of sales, production and market share and further poses threat of material injury.
- iii. Increase in imports of the product under consideration from the subject countries has led to decline in market share of the domestic industry.
- iv. Price undercutting has remained significant throughout the injury period.
- v. Landed price of imports are significantly below the level of cost of sales throughout the injury period.
- vi. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of capacity utilization, production, sales, inventories and market share.
- vii. Sufficient freely disposable capacities are available with the subject countries, especially China posing imminent danger;
- viii. Inventories of the product under consideration with the domestic industry are high;
- ix. The stock prices of a particular company are not related to a particular product. It is based on the company's overall performance.

Examination By The Authority

35. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.

36. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

37. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

Cumulative Assessment

38. The Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that :

- i. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article; and
- ii. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

39. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i. The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de-minimis limit;
- ii. The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
- iii. Imports from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market;

40. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above.

41. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

42. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

43. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

44. For the purpose of the injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:-

Volume Effect

Assessment of Demand

45. The Authority has considered the transaction-wise IBIS import data provided by the domestic industry for the assessment of volume and value of imports from the subject country and other countries. For the purpose of this investigation, the Authority has defined the demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales and imports from all sources. The demand so assessed is shown in the table below:

Particular	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Demand in India					
Sales of Domestic Industry	'000 Pcs	18,68,479	18,51,740	18,60,491	18,07,904
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	99	100	97
Sales of Other Indian producers	'000 Pcs	90,614	93,547	94,616	92,490
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	104	102
Total Domestic Sales	'000 Pcs	19,59,093	19,45,287	19,55,107	19,00,394
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	99	100	97
Imports- Subject Countries	'000 Pcs	25,632	42,922	47,555	2,77,826

Particular	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	167	186	1,084
Imports-Other Countries	'000 Pcs	94,315	33,342	10,930	843
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	35	12	1
Total Demand	'000 Pcs	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	97	97	105
Market Share in Demand					
Domestic Industry	%	89.87	91.60	92.40	82.97
Other Indian Producers	%	4.36	4.63	4.70	4.24
Indian Producers as a whole	%	94.23	96.23	97.10	87.21
Subject Countries	%	1.23	2.12	2.36	12.75
Other Countries	%	4.54	1.65	0.54	0.04

The Authority notes that demand for the product under consideration has marginally increased during the POI as compared to the base year. While the domestic industry holds significant share in the market throughout the injury period including the POI, the rest of the suppliers including the subject countries contribute to the market minimally. From the aforesaid data, the only concern appear to be the increase of the market share of the subject countries from 1.23% in the base year to 12.87% in the POI, whereas the market share of the domestic industry has declined from 89.87% during the base year to 82.97% during the POI. But, this trend needs to be analyzed with reference to the production capacity of the domestic industry and their actual production during the injury period including the POI. As per the information given in the relevant Para of this finding, the domestic industry has increased its production capacity throughout the injury period. It increased its production capacity from 2150400 thousand pcs in the base year to 2418400 thousand pcs in the POI. But, despite demand in the domestic market more than its capacity, it neither increased its production in line with demand, nor increased its sales in the domestic market matching with its production. This indicates that the domestic industry is not willing to sale its goods in the domestic market despite getting a better price than the landed price from the subject countries. Or, it may be due to lack of wide spread marketing network by the domestic industry.

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Installed capacity	'000 Pcs	21,50,400	23,09,400	24,18,400	24,18,400
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	107	112	112
Production	'000 Pcs	18,12,289	18,70,943	18,92,327	18,49,807
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	104	102
Capacity Utilization	%	84.28%	81.01%	78.25%	76.49%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	96	93	91
Domestic Sales	'000 Pcs	17,89,225	17,78,384	18,27,803	17,82,890
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	99	102	100
Demand	'000 Pcs	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	97	97	105

Import Volume and Market Share:

46. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides as under:

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India”

47. The import volumes for the injury period, considering the transaction wise data is as under:

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Import Volume					
China	'000 Pcs	20,132	35,918	41,643	194,407
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	178	207	966
Vietnam	'000 Pcs	5,500	7,004	5,913	83,420

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	127	108	1,517
Subject Countries	'000 Pcs	25,632	42,922	47,555	277,826
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	167	186	1,084
Other Countries	'000 Pcs	94,315	33,342	10,930	843
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	35	12	1
Total Imports	'000 Pcs	119,947	76,263	58,486	278,670
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	64	49	232
Market Share					
China	%	16.78	47.10	71.20	69.76
Vietnam	%	4.59	9.18	10.11	29.93
Subject Countries	%	21.37	56.28	81.31	99.70
Other Countries	%	78.63	43.72	18.69	0.30
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

48. From the above information, the Authority notes that the imports of the product under consideration have increased significantly in the period of investigation. The cessation of the earlier anti-dumping duty may have led to the increase in imports from the subject countries, especially from China PR.

Share of imports in relation to Production & Consumption

49. Further, as demonstrated in the information given below, share of the imports of the product under consideration from the subject countries have increased significantly in relation to production and consumption in India in the POI.

Market Share	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Imports from Subject Country in relation to Demand	%	1.23	2.12	2.36	12.75
Imports from Subject Country in relation to Indian production	%		1.35	2.18	2.39

Capacity, Production, Capacity utilization and Sales Volume

50. As noted from the table below, there is an enhancement of capacity of the domestic industry in the period 2012-13 and 2013-14 in line with increase in demand, but during POI, the domestic industry abstained from increasing its capacity further despite increasing demand. Production of the domestic industry has increased up to 2013-14, but declined in the POI, whereas demand during the same period has increased significantly. This is the situation despite the domestic industry realising a better price than the landed price.

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Installed capacity	'000 Pcs	21,50,400	23,09,400	24,18,400	24,18,400
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	107	112	112
Production	'000 Pcs	18,12,289	18,70,943	18,92,327	18,49,807
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	104	102
Capacity Utilization	%	84.28%	81.01%	78.25%	76.49%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	96	93	91
Domestic Sales	'000 Pcs	17,89,225	17,78,384	18,27,803	17,82,890
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	99	102	100
Demand	'000 Pcs	20,79,040	20,21,551	20,13,593	21,79,064
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	97	97	105

PRICE EFFECT

Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

51. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of the dumped

imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission incurred by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value of imports to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry in terms of Annexure III of the Anti-Dumping Rules. The position is as follows:

Price Undercutting

52. Price undercutting has been assessed by comparing the landed value with the domestic selling price in India of the subject goods during the injury period as follows:

Particulars	Unit	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
China PR					
Landed price of imports	Rs./'000Pcs	2,689	3,012	1,115	1,007
Net Sales Realisation	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10-20	5-10	210-220	310-320
Vietnam					
Landed price of imports	Rs./'000Pcs	2,305	2,396	2,770	2,739
Net Sales Realisation	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	30-40	30-40	20-30	50-60
Subject countries as a whole					
Landed price of imports	Rs./'000Pcs	2,606	2,912	1,321	1,527
Net Sales Realisation	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10-20	20-30	160-170	170-180

53. From the above information, the Authority notes that the landed price of imports (including basic customs duty) is below the selling price of the domestic industry, resulting in price undercutting. This may be due to the fact that majority of the imports from the subject countries, especially from China, are low value products.

Price Underselling

54. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Antidumping Rules. For the purpose of determining price underselling, the landed value of the imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI.

Particulars	Unit	China PR	Vietnam
Landed price of imports	US\$/'000'Pcs	***	***
Non Injurious Price	US\$/'000'Pcs	***	***
Price Underselling	US\$/'000'Pcs	***	***
Price Underselling	%	***	***
Price Underselling	% Range	235-245	20-30

55. It is noted that the price underselling effect of the dumped imports from China PR is significant. This may be again due to the fact that majority of the imports from the subject countries, especially from China, are low value product

Price suppression and depression

56. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of selling price of the domestic industry has been compared with the cost of production. The Authority has made price suppression/depression analysis as below:

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Landed price of Imports	Rs./'000Pcs	2,606	2,912	1,321	1,527
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	112	51	59
Cost of production	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	106	116
Selling Price	Rs./'000Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	114	134

57. From the information given above, the Authority notes that both the cost of production and selling price of domestic industry have increased throughout the injury period including the POI. Thus there is no price suppression or depression effect.

Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

58. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow over the injury period is as follows. The domestic industry is in significant profiteering position during the POI.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs/000 Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	106	116
Selling Price	Rs/000 Pcs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	103	114	134
Profit/Loss	Rs/000 Pcs	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(100)	135	458
Profit/Loss	Rs.Lacs	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(99)	138	456
PBIT	Rs.Lacs	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(81)	319	899
Cash Profit	Rs.Lacs	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(87)	960	2,269
Return of investment	%	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	(100)	(84)	329	824

Employment, Wages & Productivity

59. From the information given below, the Authority notes that during the POI the status of employment and productivity are showing declining trends, whereas wages have increased.

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Productivity per employee	000 Pcs/nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	104	98	97
Employment	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	96	98	92
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	113	80	94

Inventories

60. From the information given below, the Authority notes that the average inventory levels of the domestic industry has increased.

Particulars	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Opening	'000 Pcs	***	***	***	***
Closing	'000 Pcs	***	***	***	***
Average	'000 Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	108	139

Magnitude of dumping

61. The Authority notes that the dumping margin of the imports from subject countries is more than de-minimus and substantial.

Growth

62. The Authority notes that the domestic industry has shown negative growth in terms of production and sales. However, profit has shown significant improvement.

Growth	UOM	2011- 12	2012- 13	2013-14	POI
Production	%	-	3.24	1.14	-2.25
Domestic Sales	%	-	-0.61	2.78	-2.46
Selling Price	%	-	3.43	9.85	18.29
Cost of Sales	%	-	3.32	2.53	9.62
Profit/Loss	%	-	0.09	235.29	238.54

Ability to raise funds

63. The Authority notes that the domestic industry being constituted by multi product industries, their ability to raise funds seems to have not been affected.

Conclusion on Injury

64. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of dumping and consequent injury, the Authority concludes that:

- There is dumping of the product concerned from China PR and Vietnam.
- Both dumping margin and injury margin are positive with positive undercutting.
- Despite dumping, huge amount of profit is made by the domestic industry with significantly high ROCE position.
- Net sales realisation of the domestic industry is more than the landed price and also the non-injurious price of the domestic industry. Therefore no price impact on the domestic industry.
- Although huge volume of subject goods have entered Indian market during the POI, there is marginal decline in sales of the domestic industry and they do not appear to have had any injurious effect on the domestic industry in terms of price parameters since their net sales realization is much more than the landed value and profit position is phenomenal.
- Therefore, the dumped imports from China PR and Vietnam cannot be dubbed as causing material injury to the domestic industry. Since the domestic industry is able to sell at prices higher than the landed prices and still make huge profits, the huge volume of imports may not cause much injury to the domestic industry.
- Therefore, the Authority concludes that the domestic industry did not suffer material injury during the POI.

H. THREAT OF MATERIAL INJURY

65. The Authority examined whether the imports are threatening material injury to the domestic industry. Rules provide as follows with regard to threat of material injury–

A determination of a threat of (vii) material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances which would create a situation in which the dumping would cause injury must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the designated authority shall consider, inter alia, such factors as :

- (a) significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
- (b) sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- (c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- (d) inventories of the article being investigated.

66. The Authority examined the threat of material injury on the basis of following grounds:

a) Significant increase in imports

67. The Authority notes that the imports have increased significantly from the subject countries during the POI as compared to the earlier years of the injury period.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Imports Volume					
China	'000 Pcs	20,132	35,918	41,643	194,407
Vietnam	'000 Pcs	5,500	7,004	5,913	83,420
Total Subject Countries	'000 Pcs	25,632	42,922	47,555	277,826
Other Countries	'000 Pcs	94,315	33,342	10,930	843
Total Imports	'000 Pcs	119,947	76,263	58,486	278,670

b) Excess Production Capacities in the subject country:-

68. On the basis of information provided by the domestic industry, in the earlier sunset review final findings issued on 20th May, 2013, at Para 66, the Authority had held as follows:

“66. The domestic industry in its submissions has claimed that the producers in China are having significant surplus capacities as compared to the demand of subject goods in the domestic market. Domestic industry submitted that there are over 100 producers of Dry Cell Batteries in China. However, the below table data for 20 major producers of subject goods for which data is available. As per information furnished by the Domestic Industry, around 47.12% of the production represents the share of production of AA batteries (subject goods). Based on the same the table below shows the production, consumption and exports of the product under consideration:

SN	Particular	2009	2010
1	Installed Capacity in Million Pcs	18,090	18,090
2	Subject goods volume (AA share of Total Capacity is 47.12%) in Million Pcs	8,524	8,524
3	Production in China in Million Pcs	5,527	6,435
4	Global Export in Million Pcs	2,545	2,846
5	Consumption in China in Million Pcs (5 - 4)	2,982	3,589
6	Unutilised Capacity in Million Pcs (2 - 3)	2,997	2,089
7	Surplus as % of Production	54%	32%
8	Surplus as % of Domestic Demand	101%	58%
9	Surplus as % of Global Export	118%	73%
10	Freely disposable production capacity (unutilized capacity + current exports) in Million Pcs	8,072	9,281
11	Indian Demand (Annualised POI) in Million Pcs	1,793	1,793
12	Freely disposable production capacity as % of Indian Demand	450%	518%

67. *It is noted that none of the interested parties have rebutted the submissions of the domestic industry of there being large excess surplus capacities available with the producers from the subject country with any verifiable evidence.*

68. *The Authority holds that producers in the subject country have built capacities far in excess of their domestic demand and capacities have been created considering export markets as well."*

69. The above observations in the earlier findings indicate that China does have a much larger manufacturing base for the subject goods as compared to India and generate huge production and exportable surplus capable of overtaking the entire Indian market. However, no substantiated information was provided by the domestic industry pertaining to the injury period and the POI of the present investigation.

c) Price attractiveness of the Indian market

70. The Authority notes that the landed value of imports is lower than the selling price of the domestic industry. Therefore, Indian price cannot be interpreted as attractive for exports by the subject countries.

d) Export orientation of producers and exporters in subject country

71. The Authority notes that Chinese economy is well-known for its export orientation. Considering the demand in India and the import trends during the POI vis-à-vis earlier years, further spurt in exports cannot be ruled out.

e) Inventories have increased with domestic industry

72. The Authority notes that the level of inventory with the domestic industry has increased during the POI. This is the situation despite getting a higher price vis-à-vis the imports and increasing demand. Perhaps, the domestic industry should focus more on expanding and strengthening its sales network to penetrate more in to the rural areas.

Conclusion on Threat of Material Injury

73. The Authority notes that the domestic industry has failed to place sufficient evidence to establish that increased imports will adversely impact them.

Conclusions

74. The Authority, therefore, concludes as follows:

- i. Though during the POI, significant volume of imports has entered the Indian market at dumped prices and has price undercutting effect, they have not impacted the domestic industry as it caters to a different market segment.
- ii. Huge amount of profit is made by the domestic industry despite dumping.
- iii. Significantly high ROCE position is being enjoyed by the domestic industry.
- iv. Net sales reralisation of the domestic industry is more than their non-injurious price and the landed price.
- v. Production, sales and capacity utilization have declined, but the market share of domestic industry has declined marginally.

I. Magnitude of Injury Margin

Injury Margin

75. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry and determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Particulars	Unit	China PR	Vietnam
Landed price of imports	US\$/000'Pcs	16.32	44.39
Non Injurious Price	US\$/000'Pcs	***	***
Injury Margin	US\$/000'Pcs	***	***
Injury Margin	%	***	***
Injury Margin	% Range	235-245	20-30

J. Post Disclosure Comments

76. Post disclosure, none of the interested parties made any submission/comment.

77. The following post disclosure comments/submissions have been made by the domestic industry:

- i. The non-injurious price (NIP) determined by the authority is too low and inadequate to protect the domestic industry.
- ii. While determining NIP, the authority should consider the actual raw materials and utilities consumption.
- iii. It is inappropriate to ignore the actual production and adopt any other production basis for determination of NIP.
- iv. The domestic industry is offering product of different varieties and types with different price ranges. Similarly, the Chinese batteries are also being sold in the market at different price ranges. Therefore, the prices of the domestic industry are quite comparable with the retail prices of Chinese batteries.
- v. The traders are cornering the entire profit on account of dumped Chinese batteries and the consumers obtain the batteries at the same price as offered by the domestic industry.
- vi. Petitioners request the authority to recommend benchmark form of duties in the present case since the product was earlier attracting benchmark form of duty. Moreover, while the imports have been reported at significantly different prices, costs of production do not have significant variations. Therefore, it would be appropriate to have benchmark form of duty.
- vii. The duty should be imposed in terms of US\$.

Examination by the Authority

78. As regards the contention that non-injurious price (NIP) determined by the authority is too low and inadequate to protect the domestic industry, the Authority notes that the NIP has been determined as per the methodology and procedure laid down under Annexure III of the Anti-dumping Rules.

RECOMMENDATIONS

79. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the present investigation into dumping, injury and causal link in terms of the Anti-dumping Rules, the Authority is of the view that the dumped imports have not caused material injury to the domestic industry in view of the facts that the domestic industry has realized much higher selling price as compared to their non-injurious price and also the landed price of the subject goods from the subject countries and earned huge profits. Having concluded as above, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty, on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, is not required.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority